UNIVERSITY NEWS 27 DECEMBER 2025

AMAR UJALA

लविवि में शोधार्थियों के लिए आवेदन का आज अंतिम मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में केमिस्ट्री व एनवायरनमेंटल साइंस विषयों के पीएचडी शोधार्थियों को शोध के साथ-साथ रोजगार का भी अवसर मिलेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय के केंद्रीय कैंपस प्लेसमेंट सेल की ओर से शोधार्थियों के आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन का मौका 27 दिसंबर की शाम तक है। इच्छुक उम्मीदवार लिंक ttps://forms.gle/FgYCaTWqR8225EH78 पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। चयनित शोधार्थी को भारत ऑयल एंड वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी में रिसर्च साइंटिस्ट व टेक्निकल स्पेशलिस्ट पदों पर नौकरी मिलेगी। (संवाद)

लविवि में जुटे भारतीय गणितीय सोसाइटी के दिग्गज

लखनऊ। भारतीय गणितीय सोसाइटी का 91वां वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग के मालवीय हॉल में भव्य उद्घाटन के साथ शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र में देश-विदेश के गणितज्ञों और शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्रो. जीपी राजशेखर ने बताया कि सम्मेलन को इस बार रिकॉर्ड 320 शोध सार प्राप्त हुए हैं। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना के संरक्षण में आयोजित सम्मेलन में सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एसएस. खरे, महासचिव प्रो. एमएम. शिकारे और स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. विवेक सहाई ने सम्मेलन में अपनी बात रखी। मुख्य अतिथि प्रो. दिपेंद्र प्रसाद ने विचार रखे। अध्यक्षीय भाषण में प्रो. खरे ने राष्ट्रीय विकास में गणित की भूमिका और गणित भय दूर करने पर जोर दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

लविवि में छात्राओं की सुरक्षा के लिए 'शक्ति दूत' बनेंगी भरोसे की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से 'शक्ति दूत' की नियुक्ति की जाएगी। अलग-अलग विभागों में पढ़ने वाली छात्राएं शक्ति दूत के माध्यम से अपनी समस्याएं और शिकायतें विश्वविद्यालय प्रशासन तक सहजता से पहुंचा सकेंगी। इस संबंध में कुल सचिव भावना मिश्रा ने सभी विभागाध्यक्षों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। शक्ति दूत के रूप में उन छात्राओं का चयन किया जाएगा, जो इस भूमिका को निभाने की इच्छुक हों और आवश्यक जानकारी रखती हों। साथ ही 'चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो' अभियान को भी बढ़ावा दिया जाएगा। शक्ति दूत छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध सहायता प्रणालियों और 1090 हेल्पलाइन जैसी सेवाओं की जानकारी देंगी। साथ ही समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। (संवाद)

AMRIT VICHAR

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कुलपति व अन्य शिक्षक।

लविवि में याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के अटल सुशासन पीठ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए गए। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अटल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अटल सुशासन पीठ के संयोजक प्रो. नंद लाल भारती व विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। विभाग के शिक्षक डॉ. वैशाली सक्सेना गुप्ता एवं डॉ. सुशील सिंह चौहान भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। विभागीय छात्र-छात्राओं ने भी अटल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

DAINIK JAGRAN

विज्ञान, इंजीनियरिंग और आर्थिक नियोजन की रीढ़ है गणित : डा. खरे

जासं • लखनऊ : 'गणित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और आर्थिक नियोजन की रीढ़ है। आज इसकी प्रासंगिकता कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा विज्ञान, शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा में लगातार बढ़ रही है। गणितीय विज्ञान आर्थिक विकास और तकनीकी नवाचार के रणनीतिक साधन बन चुके हैं, विशेषकर तब जब भारत वैश्विक ज्ञान केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है।' यह विचार भारतीय गणितीय सोसाइटी (आइएमएस) के अध्यक्ष प्रो. एसएस खरे ने शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग की ओर से मालवीय सभागार में आयोजित आइएमएस के 91वें अंतरराष्ट्रीय

वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते प्रो. जीपी राजशेखर, आंध्र विवि के कुलपति प्रो. एसएस खरे, प्रो. विवेक सहाय, पूर्व कुलपति प्रो. एसबी निमसे व प्रो. मनुका खन्ना • सौ लवि

वार्षिक सम्मेलन में रखे। प्रो. खरे ने विद्यालय स्तर पर गणित शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त जताते हुए गणित के डर को दूर करने के लिए छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धतियां, तकनीक का बढ़ा हुआ उपयोग, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पाठ्यक्रम का युक्तिकरण और मूल्यांकन प्रणाली में सुधार का सुझाव दिया। मुख्य अतिथि आइआइटी मुंबई के प्रो. दीपेंद्र प्रसाद ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना, शैक्षणिक संवाद को बढ़ावा देना और उभरती शोध चुनौतियों पर सहयोग करना है। लवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उद्घटन सत्र में देश-विदेश के प्रमुख गणितज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इन्हें दिया गया पुरस्कार : सम्मेलन में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइआइएसईआर) भोपाल के प्रो. सौरभ श्रीवास्तव, आइआइटी गुवाहाटी प्रो. राजेन कुमार सिन्हा, आइआइटी मद्रास के प्रो. एस पोन्नुसामी, यूनिवर्सिटिभ् आफ नार्थ कैरोलिना के प्रो. श्रवण कुमार और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. रामजी लाल को गणित के विविधि क्षेत्रों में उत्कृष्ट शोध में योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। आइएमएस के महासचिव प्रो. एम. एम शिकारे ने खोसाइटी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। सम्मेलन में आइएमएस के महासचिव प्रो. एमएम शिकारे, स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. विवेक सहाय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक नियोजन की रीढ़ है गणित : प्रो. खरे

एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और राष्ट्रीय सुरक्षा में बढ़ रहा गणित का प्रयोग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गणित विषय का प्रयोग अब विज्ञान से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकों में होने लगा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर आर्थिक नियोजन की रीढ़ गणित विषय बनता जा रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय गणितीय सोसाइटी के 91 वें वार्षिक सम्मेलन में देश-विदेश से आए गणित के विशेषज्ञों ने इसे एकमत से स्वीकार किया। सम्मेलन में इस बार रिकार्ड 320 से अधिक सारांश प्राप्त हुए हैं। जिससे विश्वविद्यालय के गणित शिक्षक उत्साहित हैं।

विश्वविद्यालय के गणित व खगोल विज्ञान विभाग में विश्वविख्यात गणितज्ञों ने विकसित भारत में गणित के योगदान पर विचार रखे। प्रो. जीपी राजशेखर

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत करते गणितज्ञ, साथ में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना।

ने बताया कि इस बार सम्मेलन को अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। प्रो. दिपेन्द्र प्रसाद ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना, शैक्षणिक संवाद को बढ़ावा देना और विश्वभर के गणितज्ञों को एक मंच पर लाकर विचारों का आदान-प्रदान तथा उभरती शोध चुनौतियों पर सहयोग करना है।

राष्ट्रीय विकास में गणित की महत्वपूर्ण भूमिका: भारतीय गणितीय सोसाइटी के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग के प्रो. एसएस खरे ने राष्ट्रीय विकास में गणितीय विज्ञान की प्रासंगिकता, वर्तमान स्थिति, गणित भय और उसके निवारण की रणनीतियां विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गणितीय विज्ञान आर्थिक विकास और तकनीकी नवाचार के रणनीतिक साधन बन चुके हैं, विशेषकर तब जब भारत वैश्विक ज्ञान केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है।

- लविवि में आयोजित हुआ आईएमएस का 91 वां वार्षिक सम्मेलन

आज होंगी शोध प्रस्तुतियां

- आज सम्मेलन में प्लेनरी व्याख्यान, आमंत्रित व्याख्यान, पुरस्कार व्याख्यान और समानांतर तकनीकी सत्र होंगे। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में शोध-पत्र प्रस्तुतियां भी होंगी, जिससे प्रतिभागियों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान और सहयोग और अधिक सुदृढ़ होगा।

I NEXT

छात्राएं बनेंगी 'शक्ति दूत', निभाएंगी अहम भूमिका

LUCKNOW (26 DEC): लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा, सहयोग और सशक्तीकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से 'शक्ति दूत' छात्र स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जाएगी. इस संबंध मे विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. भावना मिश्रा की ओर से सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों और समन्वयकों को निर्देश जारी किए गए हैं. कुलपति के आदेशानुसार प्रत्येक विभाग/संस्थान से दो सक्रिय छात्राओं को 'शक्ति दूत' के रूप में नामित किया जाएगा. यह पहल मिशन शक्ति के अंतर्गत की जा रही है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए सुरक्षित, सहयोगात्मक और सशक्त वातावरण तैयार करना है.

शक्ति दूत की प्रमुख भूमिकाएं

छात्राओं के लिए सहज संपर्क बिंदु बनना, ताकि वे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की सूचना बिना झिझक दे सकें. 'ब्रेक द साइलेंस (चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो)' अभियान को बढ़ावा देना और शिकायतों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करना. सामान्य क्षेत्रों, पुस्तकालयों और विभागों में सतर्क उपस्थिति बनाए रखना, जिससे छात्राओं में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हो. उपलब्ध कानूनी संसाधनों और 24×7 हेल्पलाइन सेवाओं (1090 सहित) की जानकारी देना और गोपनीयता सुनिश्चित करना. विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित इकाइयों से अनुरोध किया है कि वे नामित छात्राओं का विवरण इंस्टीट्यूट आफ वूमेन एंड जेंडर स्टडीज की कोआर्डिनेटर डा. मानिनी श्रीवास्तव को उपलब्ध कराएं.

AMRIT VICHAR

नए कीर्तिमान गढ़े, नई शिक्षा नीति के साथ आगे बढ़े

लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध परियोजनाओं में 795 प्रतिशत, अनुदान में 168 प्रतिशत की वृद्धि

मार्कण्डेय पाण्डेय

अमृत विचार: कुलपति प्रो. मनुका खन्ना के प्रयास से वर्ष 2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई नए कीर्तिमान गढ़े। विश्वविद्यालय की शोध परियोजनाओं में 795 प्रतिशत व अनुदान में 168 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। इसके अलावा 121 अंतरराष्ट्रीय और 25 नए समझौते भी किए गए। विदेशी छात्रों की संख्या में 3881 प्रतिशत वृद्धि होने के साथ 76 देशों से आवेदन मिले। नई शिक्षा नीति सबसे पहले लागू करते लविवि देशभर में चर्चा में चर्चा में आया।

नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने और क्रियान्वयन विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस वर्ष ही नई शिक्षा नीति के अनुरूप स्नातकों और परास्नातकों की नई पीढ़ी तैयार हुई है। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, बहु-प्रवेश और बहु-निकास विकल्प लागू किए गए। विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में लचीलापन व शोध उन्मुखता को बढ़ावा दिया है। हालांकि प्रशासनिक व संसाधन संबंधी चुनौतियां बनी हुई हैं। भविष्य में विश्वविद्यालय का लक्ष्य शोध उत्कृष्टता, डिजिटल परिवर्तन और समावेशी शिक्षा को केंद्र में रखकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करना है।

बढ़ते गए कदम

शोध गुणवत्ता

- प्रकाशनों की संख्या बढ़ी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च प्रभाव वाले शोध पत्रों की कमी बनी हुई है, जिसे दूर करने को विश्वविद्यालय प्रयासरत है।

समानता और समावेशन

- ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों तक डिजिटल सुविधाओं की पहुंच अभी भी चुनौती है।

भावी लक्ष्य

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च प्रभाव वाले शोध पत्रों की संख्या बढ़ाना।
- उद्योग-शिक्षा सहयोग को मजबूत करना।

मानव संसाधन विकास

- 249 नए शिक्षकों की नियुक्ति, शिक्षक-छात्र अनुपात 1:38 से घटकर 1:27 हुआ।
- गैर शिक्षण कर्मचारियों के लिए पदोन्नति और सुविधाओं में सुधार हुआ।

डिजिटल परिवर्तन

- ई-लाइब्रेरी, परीक्षा पोर्टल, भर्ती पोर्टल और डिजिलॉकर पर 7 लाख से अधिक मार्कशीट अपलोड किया गया।
- सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप से छात्रों तक 24x7 संचार और संवाद सुविधा।

विश्वविद्यालय के समक्ष चुनौतियां

- संकायों और संस्थानों के संचालन में संसाधन की कमी।
- बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप हॉस्टल और प्रयोगशालाओं की क्षमता कम।

कुलपति प्रो. मनुका खन्ना।

वैश्विक जुड़ाव

- अबतक 121 अंतरराष्ट्रीय एमओयू सक्रिय है जिसमे वर्ष 2024-25 में 25 नए समझौते हुए हैं।
- विदेशी छात्रों की संख्या में 3881 प्रतिशत वृद्धि हुई जिसमे कुल 76 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं।

शैक्षणिक विविधीकरण

- योग, कृषि, प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल साइंसेज जैसे नए संकाय व संस्थान।
- ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर की स्थापना।

DAINIK JAGRAN

छात्राएं बनेंगी 'शक्ति दूत, निभाएंगी भूमिका

लखीम मंदाक प्रशासनी में एक सभा को संबोधित करते विभिन्न कुलपति डा. निमिषि मंदाक जेल व कंपनी सेक्रेटरी डा. मंजल कन्नौजी सेमल के छात्र प्रोफेसर, प्रयोग प्रशासन व अन्य • जागरण

जासं • लखनऊ: लवि में छात्राओं की सुरक्षा, सशक्तीकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से 'शक्ति दूत' छात्र स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. भावना मिश्रा की ओर से सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों और समन्वयकों को निर्देश जारी किए गए हैं।

कुलपति के आदेशानुसार प्रत्येक विभाग/संस्थान से दो सक्रिय छात्राओं को 'शक्ति दूत' के रूप में नामित किया जाएगा। यह पहल मिशन शक्ति के अंतर्गत की जा रही है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए सुरक्षित, सहयोगात्मक और सशक्त वातावरण तैयार करना है। छात्राओं के लिए सहज संपर्क बिंदु बनना, ताकि वे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की सूचना बिना झिझक दे सकें। 'ब्रेक द साइलेंस (चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो)' अभियान को बढ़ावा देना और शिकायतों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करना। सामान्य क्षेत्रों, पुस्तकालयों और विभागों में सतर्क उपस्थिति बनाए रखना, जिससे छात्राओं में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हो। उपलब्ध कानूनी संसाधनों और 24×7 हेल्पलाइन सेवाओं (1090 सहित) की जानकारी देना और गोपनीयता सुनिश्चित करना। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित इकाइयों से अनुरोध किया है कि वे नामित छात्राओं का विवरण इंस्टीट्यूट आफ वूमेन एंड जेंडर स्टडीज की कोआर्डिनेटर डा. मानिनी श्रीवास्तव को उपलब्ध कराएं।

HINDUSTAN TIMES

Relevance of maths growing: Experts at IMS annual meet

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Mathematical sciences have evolved into strategic enablers of economic growth and technological innovation, particularly as India aspires to become a global knowledge hub, said Prof SS Khare, president, Indian Mathematical Society in his presidential address at the 91st annual conference of the IMS that began at Malviya Hall of Lucknow University on Friday.

Prof Khare, also the former VC, North-Eastern Hill University, Shillong, highlighted the central role of mathematics as the backbone of science, technology, engineering, and economic planning, with growing relevance in artificial intelligence, machine learning, data science, governance and national security.

The department of mathematics and astronomy, LU, is organising the conference that will conclude on December 29. Scholars and researchers from across the country and abroad are participating in the event.

Guests at the annual meet of IMS in Lucknow on Friday. HT

Chief guest Prof Dipendra Prasad emphasised that the primary objective of such international conferences is to disseminate knowledge, foster academic interaction, and bring mathematicians from across the globe to exchange ideas and collaborate on emerging research challenges under one roof.

"Modern tools, including algebraic topology, are being used in analysing large, complex, and high-dimensional data. However, there are certain contemporary challenges in data-driven research," said Prof SS Khare.

"However, there is a need to begin student-centric teaching approaches, enhanced use of technology, teacher training programmes, curriculum rationalisation, and reforms in evaluation systems," Prof Khare added.

Academic secretary, IMS, Prof GP Rajashekhar highlighted that IMS received a record 320 accepted abstracts, reflecting the growing research activity and interest within the mathematical community.

Prof MM Shikare, general secretary, IMS, along with others conferred various IMS awards while recognising outstanding contributions to research across diverse areas of mathematics. A Narsinga Rao Memorial Prize for 2025 was awarded to Namita Behera of department of mathematics, Sikkim University, Gangtok. PL Bhatnagar Memorial Prize for 2025 was awarded to Kanav Talwar, New Delhi.

Lucknow University's vice chancellor Prof Manuka Khanna, and Prof Vivek Sahai, local organising secretary, were also present.

I NEXT

एलयू और कालेजों में आज अवकाश

LUCKNOW (26 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में 27 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह जयंती के अवसर पर अवकाश घोषित किया गया है. इस दौरान एलयू और कालेजों में लिखित, मौखिक, प्रायोगिक परीक्षाएं एवं अन्य निर्धारित कार्यक्रम यथावत होंगे.

HINDUSTAN

एलयू में छात्राओं को बनाया जाएगा 'शक्ति दूत'

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब छात्राएं शक्ति दूत बनाई जाएंगी। यह मिशन शक्ति योजना के बारे में परिसर की छात्राओं को जागरूक करने का कार्य करेंगी। इस बाबत कुलसचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर दो छात्राओं के नाम भेजने को कहा है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा का कहना है कि महिला अध्ययन संस्थान की समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव जानकारी भेजेंगी।

लखनऊ विवि में शक्तिदूत करेंगे छात्राओं की सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रत्येक विभाग से नियुक्त किए जाएंगे शक्तिदूत
- छात्राओं के सशक्तिकरण व सुरक्षित वातावरण बनाने में निभाएंगे भूमिका

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्राओं के लिए परिसर में बेहतर और सुरक्षित वातावरण कायम करने के लिए अभिनव पहल की है। विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विभाग से 2 सक्रिय महिला छात्र स्वयंसेवकों को "शक्ति दूत" मिशन शक्ति के रूप में नामित किया जाएगा। इसे लेकर कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने सभी विभागों को पत्र लिखकर अवगत कराया है। इसका उद्देश्य छात्र समुदाय और विश्वविद्यालय प्रशासन, स्थानीय सुरक्षा प्रकोष्ठों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। कुलसचिव ने कुलपति के परामर्श से सभी विभागों व विश्वविद्यालय से संबंधित संस्थानों को पत्र जारी करते हुए कहा है कि नामित छात्र स्वयंसेवकों का विवरण उपलब्ध कराया जाए। इसे समन्वयक, महिला एवं जेंडर अध्ययन संस्थान डॉ. मानिनी श्रीवास्तव को उपलब्ध कराना होगा।महिला विद्यार्थियों के लिए सुलभ संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करना, ताकि वे उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की घटनाओं की बिना झिझक रिपोर्ट कर सकें।